शुक्रवार
04 सितम्बर 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 223
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

दुकान पर काम करने वाले ने ही की थी

वृद्धा की हत्या, गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। दुकान पर काम करने वाले ने ही महिला की हत्या की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां एसपी देहात जया बलूनी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि रायपुर निवासी दिनेश बंसल द्वारा 112 कंट्रोल रूम को सूचना दी की उनकी पत्नी उम्र 72 वर्ष घर में अचेत अवस्था में पड़ी हुई हैं तथा उनके चेहरे पर चोट के निशान भी हैं। सूचना पर थाना रायपुर से पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा। जहां एक वृद्ध महिला अचेत अवस्था में पड़ी हुई थी, जिस पर तत्काल 108 को बुलाया गया जिनके द्वारा महिला को मृत्यु घोषित किया गया। प्रकरण के सम्बन्ध में दिनेश बंसल द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर थाना रायपुर पर तत्काल मुकदमा दर्ज कया गया। मामले का खुलासा करने में जुटी पुलिस टीमों द्वारा घटनास्थल के आस-पास आने जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेजों का बारीकी से अवलोकन करने के साथ साथ सर्विलांस के माध्यम से भी आवश्यक जानकारियां एकत्रित की गई। पुलिस द्वारा किये जा रहे प्रयासो से विनीत नाम के एक व्यक्ति द्वारा उक्त घटना को अंजाम दिया जाना प्रकाश में आया। जिस पर पुलिस टीम द्वारा विनीत

को त्रिलोक गेस्ट हाउस रिंग रोड के पास से गिरफ्तार किया। जिसकी निशानदेही पर घटना में महिला से लूटा गया कडा एंव आरोपी द्वारा घटना के दौरान पहना गया कडा जिससे उसके द्वारा मृतका पर हमला किया गया था, बरामद किये गये। पूछताछ में उसके द्वारा बताया कि वह जनपद उत्तरकाशी का निवासी है तथा विगत 10 वर्षों से अजबपुर कला, में किराये पर परिवार सहित निवास कर रहा है। वह जोगीवाला रिंग रोड, देहरादून, त्रिलोकेश गेस्ट हाउस में बीजे सिक्योरिटी सर्विसेज कम्पनी के माध्यम से रात्रि सुरक्षा गार्ड के रूप में 2 वर्षो से कार्य कर रहा। वह दिनेश बंसल की डिस्पेंसरी रोड, देहरादून स्थित "अनुज प्रकाशन" नामक बुक शॉप में हेल्पर का कार्य भी करता था तथा उन्हें लगभग 15 वर्षों से जानता है।

पिछले कुछ समय से दिनेश बंसल के पास उसकी वेतन की धनराशि बकाया थी तथा उसके द्वारा कई बार उक्त धनराशि माँगने के बावजूद भी उनके द्वारा उसे पैसे नहीं दिये जा रहे थे। घटना वाले दिन वह बुक शॉप से दिनेश कुमार बंसल की स्कूटी से उनके आवास पर गया। उसे पहले से ही पता था कि घर के पीछे की ओर का दरवाजा हमेशा खुला रहता है, जिस पर वह स्कूटी गेट के बाहर खड़ी की और अन्दर चला गया। उस समय घर पर श्रीमती रेखा बंसल अकेली मौजूद थीं।

अभियुक्त द्वारा उनसे अपने बकाया मजदूरी के पैसे माँगे तथा रेखा बंसल द्वारा इन्कार करने पर उसका रेखा बंसल से विवाद हो गया तथा उसने तैश में आकर अपने हाथ में पहने कडे से रेखा बंसल के चेहरे पर वार कर दिया, जिससे उनके गाल व नाक पर चोट लग गयी तथा वह वहीं बिस्तर पर गिर गयीं तथा चिल्लाने लगीं। जिस पर अभियुक्त घबरा गया तथा अपने पकडे जाने के डर से उसने रेखा बंसल को चुप कराने के लिये अपने हाथ से उनका मुँह दबाया और कुछ समय तक मुँह दबाये रखा।

जब उसे विश्वास हो गया कि रेखा बंसल की मृत्यु हो चुकी है, तब उसने उनके बाएँ हाथ में पहना हुआ एक सोने का कंगन निकाल लिया तथा वहां से निकलकर गेस्ट हाउस में पहुंचकर उसने पुलिस से बचने के लिये अपने कपडे बदल लिये। आरोपी द्वारा घटना के समय पहना कड़ा जिससे उसने मृतका पर हमला किया गया था तथा मोबाइल फोन पुलिस द्वारा बरामद किया गया। आईजी गडवाल ने पुलिस टीम को पांच हजार रूपये व एसएसपी ने ढाई हजार रूपये ईनाम की घोषणा की।

खाकी पर 'सवाल'

●दिल्ली के साकेत थाने में महिला पत्रकारों से कथित मारपीट, दिल्ली पुलिस पर उठे सवाल

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में पुलिस और पत्रकारों के बीच टकराव का एक गंभीर मामला सामने आया है। दक्षिण दिल्ली के साकेत में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के एक कार्यक्रम के आसपास दो महिला पत्रकारों ने दिल्ली पुलिस पर बदसलूकी, मारपीट और हिरासत में लेने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पत्रकारों का आरोप है कि कार्यक्रम की कवरेज के दौरान पुलिसकर्मियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और बाद में उन्हें हिरासत में ले लिया। घटना विगत दिवस की बताई जा रही है। पत्रकारों के आरोपों के बाद मामला इसलिए भी गंभीर हो गया

है क्योंकि यह पूरा घटनाक्रम एक मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के आसपास वीवीआईपी सुरक्षा व्यवस्था के दौरान हुआ।

दोनों महिला पत्रकारों ने आरोप लगाया कि वह मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कार्यक्रम की कवरेज के लिए साकेत पहुंची थीं। इसी दौरान पुलिस के साथ उनका विवाद हुआ और स्थिति बिगड़ गई। पत्रकारों

◆रिपोर्टर नफीसा खान व शाहीन खान ने पुलिस पर लगाया हिरासत में लेकर पीटने का आरोप
◆वीवीआईपी सुरक्षा के नाम पर पत्रकारिता पर लगाम या सुरक्षा व्यवस्था में वास्तविक बाधा
◆दिल्ली पुलिस ने आरोप नकारे, कहा-निकास रोकने और स्कूटी खड़ी करने से बिगड़ी स्थिति

का दावा है कि पुलिस ने उनके साथ कथित तौर पर मारपीट की और उन्हें हिरासत में ले लिया। महिला पत्रकारों द्वारा लगाए गए आरोपों ने दिल्ली पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। खासकर यह सवाल कि क्या पत्रकारों को नियंत्रित करने के लिए बल प्रयोग किया गया और यदि किया गया तो उसकी जरूरत और वैधानिक आधार क्या था? दूसरी तरफ दिल्ली पुलिस ने पत्रकारों के आरोपों को खारिज किया है। पुलिस का कहना है कि दोनों पत्रकारों को उनके पत्रकार होने या सवाल पूछने के कारण हिरासत में नहीं लिया गया।

पुलिस के मुताबिक दोनों ने कथित तौर पर निकास मार्ग को बाधित किया

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

दून वैली मेल

संपादकीय

दरवाजे बंद, सवाल कौन पूछेगा?

सरकारी स्कूलों के दरवाजे पर अगर ताला नहीं भी लगा हो, लेकिन वहां पहुंचने के लिए अनुमति की दीवार खड़ी कर दी जाए, तो यह सिर्फ प्रवेश का मामला नहीं रह जाता। यह पारदर्शिता, जवाबदेही और जनता के सवाल पूछने के अधिकार का सवाल बन जाता है। राजस्थान और उत्तर प्रदेश में सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों, पत्रकारों, यूट्यूबर्स, सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं और सिविल सोसाइटी प्रतिनिधियों के प्रवेश को नियंत्रित करने वाले आदेशों को चुनौती दी गई थी। इन प्रतिबंधों का असर केवल किसी पत्रकार के स्कूल में जाने तक सीमित नहीं है। मामला फोटो, वीडियो, इंटरव्यू, आडियो रिकार्डिंग और लाइवस्ट्रीमिंग तक पहुंचता है। सरकारों का अपना तर्क हो सकता है। स्कूल बच्चों के लिए सुरक्षित स्थान हैं। उनकी निजता की रक्षा जरूरी है। बिना अनुमति किसी बच्चे की तस्वीर या वीडियो बनाना उचित नहीं हो सकता। स्कूल परिसर को राजनीतिक प्रचार, तमाशे या अनधिकृत गतिविधियों का केंद्र भी नहीं बनने दिया जाना चाहिए। लेकिन सुरक्षा के नाम पर पारदर्शिता को कैद नहीं किया जा सकता। यही इस पूरे विवाद का सबसे बड़ा सवाल है। अगर किसी सरकारी स्कूल की छत टपक रही है, बच्चे जर्जर कमरों में पढ़ रहे हैं, शौचालय बंद हैं, शिक्षक नहीं हैं या सरकारी योजनाओं का लाभ बच्चों तक नहीं पहुंच रहाकृतो इन सवालों को सामने कौन लाएगा? विभागीय रिपोर्ट अपनी जगह है, लेकिन लोकतंत्र में स्वतंत्र निगरानी की भी अपनी भूमिका है। पत्रकार का काम केवल प्रेस विज्ञप्तियां छापना नहीं है। उसका काम सत्ता और व्यवस्था से सवाल पूछना भी है। आज पत्रकार के साथ कैमरा है, कल वही काम कोई नागरिक अपने मोबाइल से कर सकता है। सोशल मीडिया ने सूचना के लोकतंत्रीकरण को और व्यापक बनाया है। इसका मतलब यह नहीं कि हर व्यक्ति को स्कूल में जाकर मनमानी करने की छूट मिलनी चाहिए। लेकिन इसका मतलब यह जरूर है कि नियम ऐसे हों जो सुरक्षा सुनिश्चित करें, सूचना पर पहरा नहीं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिका पर सुनवाई से इनकार को यह समझना भी गलत होगा कि अदालत ने इन सभी प्रतिबंधों को संविधानसम्मत घोषित कर दिया है। उपलब्ध रिपोर्टों के मुताबिक अदालत ने अनुच्छेद 32 के तहत याचिका पर विचार करने से इनकार किया। यह प्रतिबंधों की संवैधानिक वैधता पर विस्तृत फैसला नहीं है। यहीं सरकारों की असली परीक्षा शुरू होती है। बच्चों की सुरक्षा और सरकारी व्यवस्था की पारदर्शिता दोनों साथ चल सकते हैं। इसके लिए स्पष्ट व्यवस्था बनाई जा सकती है। पत्रकारों के लिए पूर्व अनुमति की सरल प्रक्रिया हो। बच्चों की पहचान और निजी जानकारी सुरक्षित रखी जाए। फोटो-वीडियो में सहमति और गोपनीयता के नियम लागू हों। स्कूल में शूटिंग के लिए समय और स्थान निर्धारित हो। लेकिन इन नियमों का इस्तेमाल स्कूल की बदहाली छिपाने के औजार के रूप में नहीं होना चाहिए। क्योंकि सरकारी स्कूल किसी निजी कंपनी की संपत्ति नहीं हैं। वह जनता के पैसे से चलते हैं। वहां पढ़ने वाले बच्चे समाज के सबसे बड़े हिस्से से आते हैं। उनके स्कूल की स्थिति सिर्फ शिक्षा विभाग का विषय नहीं, पूरे समाज का विषय है। विडंबना देखिए सरकारें डिजिटल इंडिया की बात करती हैं, सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी उपलब्धियां जनता तक पहुंचाती हैं, सरकारी योजनाओं के वीडियो बनाती हैं और प्रचार के लिए डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन जब कोई नागरिक या पत्रकार उसी डिजिटल माध्यम से व्यवस्था की कमियां दिखाना चाहे तो दरवाजे पर अनुमति की पट्टी लगा दी जाती है। यह दोहरा रवैया लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहज सवाल पैदा करता है। हां, हर यूट्यूबर पत्रकार नहीं है। हर सोशल मीडिया पोस्ट पत्रकारिता नहीं है और हर कैमरा लेकर स्कूल में पहुंचने वाले व्यक्ति को प्रवेश देना भी उचित नहीं। लेकिन समाधान पूर्ण प्रतिबंध नहीं, जिम्मेदार नियमन है। सरकार चाहे तो मान्यता प्राप्त पत्रकारों के लिए अलग व्यवस्था बनाए और अन्य नागरिकों के लिए भी पारदर्शी अनुमति प्रणाली रखे। शिकायतों और निरीक्षण के लिए स्वतंत्र व्यवस्था हो। स्कूलों की बुनियादी सुविधाओं की जानकारी सार्वजनिक की जाए। इससे कैमरे के पहुंचने की जरूरत ही कई मामलों में कम हो जाएगी। क्योंकि सबसे अच्छा स्कूल वह नहीं है जिसे कैमरे से छिपाया जा सके। सबसे अच्छा सरकारी स्कूल वह है जिसे कैमरे के सामने भी अपनी व्यवस्था पर शर्मिंदा न होना पड़े। आज सवाल पत्रकार या यूट्यूबर के स्कूल में प्रवेश का नहीं है। असली सवाल यह है कि क्या सरकार अपने स्कूलों को जनता की नजर से बचाना चाहती है या जनता के भरोसे के लायक बनाना चाहती है? दरवाजे बंद करने से तस्वीरें जरूर कम होंगी। लेकिन सवाल खत्म नहीं होंगे और लोकतंत्र में सबसे खतरनाक स्थिति सवालों का होना नहीं, बल्कि सवाल पूछने वालों के लिए दरवाजे बंद कर देना है।

शुद्धिकरण विवाद के बीच 'शक्ति प्रदर्शन'

कार्यालय संवाददाता

हल्द्वानी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की हल्द्वानी रैली के बाद रामलीला मैदान में कथित शुद्धिकरण को लेकर छिड़ा सियासी संग्राम अब नए दौर में प्रवेश करता दिखाई दे रहा है, जिस हल्द्वानी में कांग्रेस ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष की सभा के जरिए चुनावी बिगुल फूंकने की कोशिश की थी, उसी हल्द्वानी में अब भाजपा अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के जरिए संगठनात्मक ताकत का प्रदर्शन करने जा रही है। नबीन 9 सितंबर को हल्द्वानी पहुंचेंगे और दो दिवसीय दौरे के दौरान भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में हिस्सा लेंगे। पार्टी की इस अहम बैठक को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। लेकिन इस बार हल्द्वानी में भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति महज एक संगठनात्मक बैठक नहीं होगी। इसके राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। वजह साफ है खड़गे की सभा, उसके बाद कथित शुद्धिकरण और उस पर कांग्रेस के लगातार हमले।

कांग्रेस इस पूरे घटनाक्रम को दलित सम्मान और संवैधानिक मूल्यों से जोड़कर भाजपा पर निशाना साध रही है। खड़गे ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र लिखकर कथित शुद्धिकरण मामले में कार्रवाई और एफआईआर की मांग तक की है। कांग्रेस का आरोप है कि संसद में कार्रवाई के आश्वासन के बावजूद मामले में अपेक्षित कदम नहीं उठाया गया। भाजपा दूसरी तरफ इस विवाद को कांग्रेस के राजनीतिक नैरेटिव के रूप में देख रही है। पार्टी का कहना है कि नबीन का दौरा संगठनात्मक गतिविधियों और विभिन्न सम्मेलनों से जुड़ा है। लेकिन राजनीति में समय और स्थान अक्सर अपने आप में संदेश बन जाते हैं। ऐसे में खड़गे के दौरे के बाद नबीन का हल्द्वानी आना भाजपा के लिए भी एक राजनीतिक अवसर बन गया है।

हल्द्वानी और कुमाऊं की राजनीति में कांग्रेस और भाजपा के बीच मुकाबला लंबे समय से महत्वपूर्ण रहा है। ऐसे में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के लिए हल्द्वानी को चुनकर अपने

◆भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का दो दिवसीय दौरा तय, सियासी पारा भी चढ़ा
◆खड़गे के चुनावी बिगुल के बाद अब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संभालेंगे हल्द्वानी में मोर्चा
◆शुद्धिकरण कांड पर जारी रार के बीच भाजपा की कार्यसमिति बैठक से तय होगी रणनीति

कार्यकर्ताओं को चुनावी मोड में लाने का संदेश दे सकती है। बैठक में बूथ स्तर तक संगठन की सक्रियता, आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति, केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने और विपक्ष के आरोपों का राजनीतिक जवाब देने जैसे मुद्दे प्रमुख रह सकते हैं। भाजपा के लिए चुनौती केवल कांग्रेस का मुकाबला करना नहीं है। उसे कुमाऊं में अपने संगठन की पकड़ को और मजबूत करते हुए उन मुद्दों पर भी जवाब देना होगा, जिन पर विपक्ष लगातार सरकार को घेर रहा है।

हल्द्वानी का विवाद अब केवल रामलीला मैदान तक सीमित नहीं रहा। कांग्रेस ने इसे राष्ट्रीय स्तर पर उठाया है। खड़गे ने इसे गंभीर मामला बताते हुए कार्रवाई की मांग की है। राहुल गांधी की ओर से भी इस मुद्दे पर कार्रवाई की मांग किए जाने की रिपोर्टें सामने आई हैं। यही कारण है कि नबीन का हल्द्वानी दौरा भाजपा के लिए असहज सवालों से बचने के बजाय अपने राजनीतिक एजेंडे को सामने रखने का मौका भी हो सकता है। सवाल यह भी रहेगा कि क्या भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व इस विवाद पर कोई स्पष्ट राजनीतिक संदेश देता है? क्या संगठन इस मुद्दे को शांत करने की कोशिश करेगा या कांग्रेस के आरोपों का आक्रामक जवाब देगा?

उत्तराखंड में 2027 का विधानसभा चुनाव अभी दूर दिखाई देता है, लेकिन दोनों प्रमुख दलों ने राजनीतिक तैयारी शुरू कर दी है। कांग्रेस अपने राष्ट्रीय नेतृत्व के दौरों के जरिए कार्यकर्ताओं में उत्साह पैदा करने की कोशिश कर रही है, वहीं भाजपा संगठनात्मक बैठकों और चुनावी रणनीति के जरिए अपनी जमीन मजबूत करने में जुटी है। ऐसे में हल्द्वानी अब सिर्फ कुमाऊं का राजनीतिक केंद्र नहीं रह गया है। यह 2027 की चुनावी प्रयोगशाला बनता जा रहा है। खड़गे की सभा से कांग्रेस ने संदेश दिया कि वह भाजपा सरकार के खिलाफ आक्रामक मोर्चा खोलने जा रही है। अब नबीन की मौजूदगी में भाजपा का जवाब होगा संगठन, सरकार और चुनावी रणनीति

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

हमारे पूर्वजों का अपमान, हमारा अपमान है: कोहली

संवाददाता

देहरादून। सेवानिवृत्त शिक्षक अर्जुन कोहली ने कहा कि महिला के द्वारा पाकिस्तानी कहने पर हर उस समाज के व्यक्ति का अपमान किया है हमारे पूर्वजों का अपमान हमारा अपमान है।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए सेवानिवृत्त शिक्षक अर्जुन कोहली ने कहा कि विधायक उमेश शर्मा काउ को एक महिला के द्वारा पाकिस्तानी कहने पर हर उस समाज के व्यक्ति का अपमान किया है जो अपनी संपत्तियों धन दौलत छोड़कर बंटवारे के समय बड़ी कुर्बानी देकर इस देश में आए। उस महिला की इस छोटी गन्दी मानसिकता के चलते पंजाबी समाज के द्वारा रोष प्रकट किया गया और अपने गौरव भरे इतिहास का वर्णन किया और चेतावनी दी की प्रशासन उस पर उचित कार्रवाई करें ताकि यह चीज फिर दोहराई ना जा सके। हमारे बुजुर्ग पाकिस्तान से नहीं, बल्कि अविभाजित विशाल भारत से विभाजन की असहनीय पीड़ा और विस्थापन का दर्द अपने सीने में लेकर भारत के विभिन्न प्रदेशों में आकर बसे थे। उन्होंने अपनी मेहनत, संघर्ष, ईमानदारी और कर्मठता से न केवल अपने परिवारों को संभाला, बल्कि जिन प्रदेशों को उन्होंने अपनी कर्मभूमि बनाया, उनके सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और औद्योगिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उत्तराखंड में बसे पंजाबी समाज ने भी इस देवभूमि को अपनी कर्मभूमि और अपनी मातृभूमि के समान सम्मान दिया। पीढ़ियों से यहाँ रहकर व्यापार, उद्योग, शिक्षा, समाजसेवा और विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देते हुए पंजाबी समाज ने उत्तराखंड के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज स्थिति यह है कि गैर-पंजाबी परिवारों के बच्चों की शादियाँ पंजाबी परिवारों में और पंजाबी परिवारों के बच्चों की शादियाँ गैर-पंजाबी परिवारों में हो रही हैं। रिश्तों की यह मिठास बताती है कि समाज के बीच वास्तविक धरातल पर भाईचारा और अपनापन कितना गहरा है। ऐसे में पहाड़ी और पंजाबी समाज के बीच मतभेद पैदा करने के उद्देश्य से उत्तराखंड में जन्म लेकर, यहीं पले-बढ़े और इसी प्रदेश के विकास में योगदान देने वाले पंजाबी समुदाय को 'पाकिस्तानी' कहना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण, आपत्तिजनक और निंदनीय है। यह केवल वर्तमान पीढ़ी का अपमान नहीं है, बल्कि उन पूर्वजों का भी अपमान है जिन्होंने विभाजन की त्रासदी झेली, अपना घर-बार छोड़ा, अपना सब कुछ खोया और फिर भी भारत को ही अपना देश मानकर नए सिरे से जीवन खड़ा किया। वह ऐसे कलुषित, अपमानजनक और विभाजनकारी बयान की घोर निंदा करते हैं। उत्तराखंड किसी एक जाति, भाषा या समुदाय का नहीं है। यह उन सभी लोगों की साझा भूमि है, जिन्होंने इसे अपना घर माना, यहाँ अपना जीवन बिताया और इसके विकास में अपना योगदान दिया। हमें इतिहास के दर्द को समझना चाहिए, उसे नफरत और विभाजन का हथियार नहीं बनाना चाहिए। पहाड़ी हो या पंजाबी हम सब उत्तराखंडी हैं। हमारी भाषाएँ और हमारी सांस्कृतिक परंपराएँ अलग हो सकती हैं, लेकिन हमारी कर्मभूमि एक है, हमारी भावनाएँ एक हैं और हमारा भविष्य भी एक है। विभाजन की पीड़ा ने हमारे पूर्वजों को बाँटा था, आज हमारी जिम्मेदारी है कि हम आने वाली पीढ़ियों को जोड़ें। नफरत नहीं भाईचारा बढ़ाएँ। विभाजन नहीं एकता की बात करें। अपमान नहीं सम्मान की संस्कृति विकसित करें। हमारे पूर्वजों का सम्मान ही हमारी पहचान है।

मुख्यमंत्री ने वीरेंद्र सिंह बिष्ट के निधन पर दुःख व्यक्त किया

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीरेन्द्र सिंह बिष्ट के निधन पर दुःख व्यक्त किया। आज यहां मुख्यमंत्री ने मोहब्बेवाला स्थित उनके आवास पर जाकर उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीरेंद्र सिंह बिष्ट का निधन भाजपा संगठन के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोकाकुल परिजनों को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

नेत्रदान से कई जिंदगियों में लौट सकती है रोशनी, लोगों से संकल्प लेने की अपील

अल्मोड़ा(आरएनएस)। राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के तहत गायत्री निरोग धाम, मॉल रोड में आयोजित जागरूकता गोष्ठी में लोगों से नेत्रदान का संकल्प लेने की अपील की गई। वक्ताओं ने कहा कि मृत्यु के बाद किया गया नेत्रदान किसी दृष्टिबाधित व्यक्ति के जीवन में रोशनी ला सकता है और समाज के लिए यह सबसे बड़ा मानवीय दान है। गोष्ठी में बताया गया कि 25 अगस्त से 8 सितम्बर तक मनाए जा रहे नेत्रदान पखवाड़े के दौरान लोगों को नेत्रदान के महत्व के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

इस अवसर पर डॉ. जे.सी. दुर्गापाल ने भारतीय परंपरा में दान की महत्ता का उल्लेख करते हुए महर्षि दधीची और राजा शिवि के उदाहरण दिए तथा कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को नेत्रदान का संकल्प लेना चाहिए, ताकि मृत्यु के बाद भी उसके नेत्र किसी जरूरतमंद को नई रोशनी दे सकें। उन्होंने बताया कि कई लोगों की आंखों की पारदर्शी पुतली (कॉर्निया) क्षतिग्रस्त होने के कारण उनकी दृष्टि चली जाती है। ऐसे मामलों में मृत व्यक्ति की स्वस्थ कॉर्निया प्रत्यारोपित कर मरीज की आंखों की रोशनी वापस लाई जा सकती है।

उन्होंने इसे घड़ी के टूटे शीशे को बदलने जैसी सरल अवधारणा बताते हुए कहा कि नेत्रदान से अनेक लोगों का जीवन बदल सकता है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से नेत्रदान की जानकारी प्राप्त कर इसके लिए आगे आने का आह्वान किया। गोष्ठी में भीम सिंह अधिकारी, राघव पंत, देवेश पंत, डॉ. हर्षवर्धन पंत, रमेश सतवाल, जगदीश बिष्ट, गोविंद नेगी, राजेश भट्ट, अभिषेक बनौला, मोहित बिष्ट, राकेश जोशी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल से शुरू हुआ एचआईवी जागरूकता अभियान

हरिद्वार(आरएनएस)। जिला अस्पताल में एचआईवी/एड्स की रोकथाम और जनजागरूकता के उद्देश्य से आईईसी (इन्फॉर्मेशन, एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन) अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत अगले दो माह तक जिले में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम, परामर्श शिविर और प्रचार-प्रसार गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिला अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेश गुप्ता ने बताया कि एड्स से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका सही जानकारी और समय पर जांच है।

उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य लोगों में फैली भ्रांतियों को दूर करना तथा सुरक्षित व्यवहार के प्रति जागरूक करना है। क्लस्टर प्रोग्राम मैनेजर डॉ. हेमंत खर्कवाल ने बताया कि अभियान के दौरान विद्यालयों, कॉलेजों, सामुदायिक क्षेत्रों और स्वास्थ्य संस्थानों में जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक सही संदेश पहुंच सके। इस अवसर पर डॉ. दीपा शर्मा, डॉ. अजय कुमार, डॉ. निष्ठा गुलाटी, डॉ. हरि शंकर, डॉ. प्रदीप कुमार चौहान, अशोक कालरा, वासुदेव न्यूली, राजन बडोनी, सौरभ, मोहन, ज्योति, इशानी, चंद्रशेखर पंत, आनंद, शिप्रा और शक्ति पंत आदि मौजूद रहे।

नेपाल त्रासदी के मृतकों की आत्मा की शांति को हवन

ऋषिकेश (आरएनएस)। तीर्थनगरी ऋषिकेश में भाजपाईयों ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए। जिनमें नेपाल में आई भीषण त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा की शांति की कामना के लिए हवन यज्ञ किया गया। कार्यकर्ताओं ने हवन में आहूतियां डालकर त्रासदी में लापता लोगों के सकुशल मिलने की कामना की। कृष्णा नगर कॉलोनी में भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से आयोजित हवन यज्ञ में क्षेत्रवासियों ने आहूतियां डालकर पिछले दिनों नेपाल में आई भीषण त्रासदी में जान गंवाने वाले भारत सहित विश्व के विभिन्न देशों के नागरिकों की आत्मा की शांति एवं लापता लोगों के सकुशल मिलने की कामना की।

विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि नेपाल में आई भीषण त्रासदी अत्यंत दुखद और पीड़ादायी है। उन्होंने कहा कि हवन-यज्ञ के माध्यम से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की गई तथा लापता लोगों के सुरक्षित मिलने और प्रभावित परिवारों को इस कठिन समय में शक्ति प्रदान करने की कामना की गई। कहा कि भारत सदैव अपने पड़ोसी देशों के सुख-दु:ख में साथ खड़ा रहा है और इस त्रासदी से प्रभावित लोगों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं। मौके पर भाजपा वीरभद्र मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष अरविंद चौधरी, निर्मला उनियाल, प्रिया ढकाल, माया घले, नीतू थापा, विनीता छेत्री, मुन्नी थापा, निशा थापा, कोमल थापा, चंद्रवीर पांडे, जितेंद्र पोखरियाल, मंजू थापा, उषा छेत्री आदि उपस्थित रहे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

चुनावी गणित में 'मोदी फैक्टर'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को भाजपा इस बार सिर्फ उत्सव तक सीमित रखने के बजाय इसे बड़े राजनीतिक और संगठनात्मक अभियान में बदलने की तैयारी में है। पार्टी देशभर में सेवा संकल्प अभियान के जरिए जनसंपर्क बढ़ाने के साथ सरकार की योजनाओं और मोदी सरकार के कामकाज को जनता तक पहुंचाने की कवायद करेगी। अभियान का सिलसिला सितंबर से अक्टूबर तक चलने की तैयारी है। राजनीतिक रूप से इस अभियान की टाइमिंग बेहद महत्वपूर्ण है। अगले विधानसभा चुनावों की तैयारियां तेज होने के बीच भाजपा संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने और लाभार्थियों से दोबारा संपर्क साधने की रणनीति पर काम कर रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री के जन्मदिन को पार्टी ने सेवा से संगठन और संगठन से चुनाव की रणनीति के लिए बड़े अवसर के रूप में लिया है।

◆मोदी के जन्मदिन पर भाजपा का मेगा प्लान, सेवा के बहाने चुनावी जमीन मजबूत करने की तैयारी
◆17 सितंबर से महीनेभर चलेगा जनसंपर्क अभियान, वडनगर-वाराणसी यात्रा से कार्यकर्ताओं में भरेंगे जोश

भाजपा की योजना 17 सितंबर से व्यापक जनसंपर्क अभियान शुरू करने की है। इस दौरान स्वच्छता अभियान, रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर, पौधरोपण, सेवा कार्यक्रम, लाभार्थी संपर्क और विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के जरिए कार्यकर्ताओं को जनता के बीच पहुंचाने की तैयारी है। पार्टी की यह कवायद प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन से भी जोड़ी जा रही है। यानी भाजपा का संदेश साफ हैकृमोदी का जन्मदिन केवल मोदी के व्यक्तित्व का उत्सव नहीं, बल्कि संगठन की सक्रियता का राष्ट्रीय अभियान बने। इस अभियान का सबसे चर्चित हिस्सा वडनगर से वाराणसी तक प्रस्तावित जनसंपर्क यात्रा है। गुजरात का वडनगर प्रधानमंत्री मोदी की जन्मस्थली है, जबकि वाराणसी उनका लोकसभा क्षेत्र है। योजना के मुताबिक दोनों दिशाओं से टीमें निकलकर जनसंपर्क करेंगी और यात्रा को एक महीने तक चलाने की तैयारी है। राजनीतिक संदेश भी स्पष्ट है मोदी की राजनीतिक यात्रा को संगठन की जमीनी यात्रा से जोड़ना।

यात्रा के जरिए भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम लोगों तक सरकार की उपलब्धियां पहुंचाने और संगठन की मौजूदगी मजबूत करने का प्रयास करेगी। खास बात यह है कि अगले साल होने वाले महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के लिए यह अभियान कार्यकर्ताओं को चुनावी मोड में लाने का भी माध्यम बन सकता है। आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती स्थानीय मुद्दों और सरकार के प्रदर्शन के साथ अपने सबसे बड़े राजनीतिक चेहरे यानी प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता को जोड़ना है। पार्टी पहले भी विधानसभा चुनावों में मोदी की छवि, केंद्र सरकार की योजनाओं और संगठन की बूथ मशीनरी को एक साथ इस्तेमाल करती रही है। इस बार भी रणनीति कुछ ऐसी ही दिखाई दे रही है। सेवा कार्यक्रमों के जरिए सामाजिक संपर्क, लाभार्थी संपर्क के जरिए योजनाओं का प्रचार और मोदी के नेतृत्व के जरिए व्यापक राजनीतिक संदेशकृइन तीनों को एक साथ जोड़ने की कोशिश होगी।

भाजपा के सामने चुनौती यह भी है कि केवल मोदी के नाम पर चुनावी माहौल तैयार करने के बजाय स्थानीय नेतृत्व और स्थानीय मुद्दों को भी साथ लेकर चला जाए। यही वजह है कि सेवा अभियान में केंद्रीय नेतृत्व के संदेश के साथ प्रदेश और जिला स्तर के संगठन को भी बड़ी भूमिका देने की तैयारी है। भाजपा के लिए यह अभियान सिर्फ जनता से संपर्क का कार्यक्रम नहीं है। इसे संगठन की ताकत परखने की कवायद के रूप में भी देखा जा रहा है। कौन सा बूथ कितना सक्रिय है, कितने कार्यकर्ता मैदान में उतरते हैं, लाभार्थियों तक संगठन की पहुंच कितनी है और सोशल मीडिया से लेकर जमीन तक पार्टी का संदेश कितनी तेजी से पहुंचता है अभियान इन सभी मोर्चों पर संगठन को परखने का अवसर देगा। यही वजह है कि भाजपा का यह मेगा प्लान विपक्ष के लिए भी राजनीतिक संकेत है। कांग्रेस समेत अन्य दलों को अब अपनी चुनावी रणनीति और संगठनात्मक सक्रियता बढ़ानी होगी।

भाजपा की राजनीति में सेवा कार्यक्रम नए नहीं हैं। लेकिन चुनाव से पहले ऐसे अभियानों की राजनीतिक अहमियत बढ़ जाती है। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन को केंद्र में रखकर देशव्यापी कार्यक्रम और जनसंपर्क अभियान पार्टी को एक साथ कई राजनीतिक संदेश देने का अवसर देगा। पहला मोदी का नेतृत्व अभी भी भाजपा की सबसे बड़ी चुनावी पूंजी है। दूसरा भाजपा का संगठन चुनाव से काफी पहले मैदान में उतर चुका है और तीसरा पार्टी सरकार की योजनाओं को सीधे लाभार्थियों और आम मतदाताओं तक पहुंचाने की कोशिश कर रही है।

अब देखना होगा कि सेवा संकल्प का यह मेगा अभियान भाजपा के लिए कितनी राजनीतिक जमीन तैयार करता है। क्योंकि चुनावी राजनीति में केवल भीड़ जुटाना पर्याप्त नहीं होता, असली परीक्षा बूथ पर होती है। भाजपा ने फिलहाल अपना अभियान शुरू करने का संकेत दे दिया है। 17 सितंबर से सेवा के मंच पर शुरू होने वाला यह अभियान आने वाले विधानसभा चुनावों की चुनावी पटकथा का पहला बड़ा अध्याय बन सकता है।

बंडिया गांव में गुलदार की चहलकदमी से दहशत

रुद्रपुर (आरएनएस)। बंडिया गांव में घर के बाहर गुलदार की चहलकदमी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। मंगलवार देर रात परगट सिंह के घर के बाहर गुलदार घूमता हुआ सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया।

बुधवार सुबह परिवार के लोगों ने सीसीटीवी फुटेज देखी तो उनके होश उड़ गए। परिजनों ने इसकी जानकारी ग्रामीणों को दी। आबादी क्षेत्र में गुलदार की आवाजाही से लोगों में डर बना हुआ है। ग्रामीणों ने मामले की सूचना वन विभाग को दे दी है।

ग्रामीणों का कहना है कि रात और तड़के सुबह लोग अक्सर जरूरी काम से घरों से बाहर निकलते हैं। ऐसे में गुलदार की चहलकदमी से लोगों और उनके बच्चों की सुरक्षा को लेकर अनहोनी की आशंका बनी हुई है।

उन्होंने वन विभाग से गुलदार की निगरानी और सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

कटाव से 10 बीघा कृषि भूमि फसल समेत गौला नदी में समाई

रुद्रपुर(आरएनएस)। बीते दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते शांतिपुरी क्षेत्र में गौला नदी ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। नदी के तेज बहाव से तटीय क्षेत्रों में भारी भू-कटाव हो रहा है। इसके चलते करीब 10 बीघा कृषि भूमि फसल समेत नदी में समा चुकी है। इससे किसानों में चिंता का माहौल है। क्षेत्रीय विधायक तिलकराज बेहड़ ने जिला पंचायत सदस्य प्रेम आर्य, पूर्व जिला पंचायत सदस्य विनोद कोरंगा, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष विशन सिंह कोरंगा समेत अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ गौला नदी के तटीय क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर भू-कटाव की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान किसानों ने विधायक को बताया कि नदी के लगातार कटाव से उनकी उपजाऊ कृषि भूमि तेजी से नदी में समाती जा रही है। प्रभावित किसानों में रमेश दानू, धन सिंह मेहता, पनीराम, डिगर राम, पोखर राम, पंकज आर्य, भवान राम, प्रताप राम, भगवान सिंह, शेर सिंह और मोहन सिंह नेगी आदि शामिल हैं। विधायक बेहड़ ने कहा कि गौला नदी के भू-कटाव से किसानों की कृषि भूमि को हो रहे नुकसान की जानकारी जिलाधिकारी और संबंधित उच्चाधिकारियों को दी जाएगी। किसानों की जमीन को भविष्य में कटाव से बचाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि नाबार्ड अथवा अन्य उपलब्ध फंड से एस्टीमेट तैयार कराकर नदी किनारे मजबूत पिचिंग की व्यवस्था कराने के लिए उच्चाधिकारियों से वार्ता की जाएगी। बेहड़ ने कहा कि करीब दस वर्ष पूर्व विधायक रहते हुए उन्होंने गौला नदी के तट पर जो तटबंध बनवाए थे, वे आज भी सुरक्षित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दस वर्षों में किसानों की समस्या पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। अब किसानों की जमीन को और अधिक नुकसान से बचाने के लिए प्रभावी और स्थायी कार्ययोजना के तहत काम कराया जाएगा। निरीक्षण के दौरान पूर्व प्रधान नारायण सिंह कोरंगा, रमेश लोहनी, सुरेंद्र कार्की, दीप सिंह कोरंगा, चंचल सिंह कोरंगा, रमेश दानू, पनीराम, पोखर राम समेत कई ग्रामीण और किसान मौजूद रहे।

मानसून में पैरों की खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए अपनाएं ये 5 टिप्स

मानसून के दौरान जहां बुखार, खांसी और सर्दी आम बात है, वहीं इस मौसम में पैरों के फंगल या बैक्टीरियल संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। इसका कारण है कि बरसात के दिनों में सड़कों पर जलभराव और कीचड़ होने समेत बैक्टीरिया काफी बढ़ जाते हैं, जिनके संपर्क में आने से पैरों की समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में आप इन 5 टिप्स को आजमाकर अपने पैरों को स्वस्थ और खूबसूरत बनाए रख सकते हैं।

बंद जूते पहनने से बचें

मानसून में बंद जूते पहनने से पैरों को काफी नुकसान पहुंच सकता है। इसका कारण है कि अगर इनमें बारिश का पानी या कीचड़ चला जाता है तो इससे पैरों में फंगल इंफेक्शन, खुजली और बदबू जैसी समस्याएं हो सकती हैं। आप मानसून में इन फुटवियर्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकते हैं, जो मानसून के अनुकूल भी हैं। साथ ही हमेशा अच्छी क्वालिटी और सही साइट के फुटवियर का चयन करें।

हमेशा अपने पैरों को रखें साफ और सूखा

गीले और गंदे पैरों के कारण फंगल इंफेक्शन, फटी एड़ियां और दाने आदि समस्याएं हो सकती हैं। अगर आप इनसे बचे रहना चाहते हैं तो अपने पैरों को हमेशा साफ और सूखा रखें। इसके लिए जब भी आप कहीं बाहर से घर आए तो सबसे पहले अपने जूते और मोजे एंटी-बैक्टीरियल सॉल्यूशन वाले पानी से धोएं, फिर अपने पैरों को हल्के साबुन और गर्म पानी से साफ करें। इसके अतिरिक्त फर्श या गीली घास पर नंगे पांव चलने से बचें।

पैरों को करें एक्सफोलिएट

एक्सफोलिएशन पैरों के डेड स्किन सेल्स से छुटकारा दिलाने और कीटाणुओं को खत्म करने में मदद करता है। लाभ के लिए 2 बड़ी चम्मच कॉफी पाउडर, आधा चम्मच बेसन और 1 चम्मच चीनी को एक साथ मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने पैरों पर लगाकर हल्के हाथों से रगड़ें और 1० मिनट के लिए मसाज करके अपने पैरों को गुनगुने पानी से धोकर तौलिए से पोछ लें। इसके बाद इन पर मॉइस्चराइजर लगाएं।

पेडीक्योर से बचें और नाखूनों को छोटा रखें

इस मौसम के दौरान सैलून में पेडीक्योर करवाने से बचें क्योंकि आधे रास्ते में ही आपके पैर कीचड़ और गंदगी से खराब हो सकते हैं। इसकी बजाय आप आसान और प्राकृतिक सामग्रियों का इस्तेमाल करके घर पर ही पेडीक्योर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त लंबे नाखूनों में धूल और गंदगी जमा हो सकती है, जिससे फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है इसलिए अपने पैर के नाखूनों को नियमित रूप से ट्रिम करें और उन्हें छोटा रखें।

फुट मास्क का करें उपयोग

फुट मास्क पैरों की सूखी त्वचा और फटी एड़ियों का इलाज करने समेत इन्हें डीप मॉइस्चराइज करने में मदद कर सकते हैं। पैरों की देखभाल के लिए आप फुट मास्क तैयार कर सकते हैं या फिर अपने पैरों को गुनगुने पानी से साफ करके इन पर जैतून का तेल, कोकोआ बटर, हल्दी और विटामिन-श्व कैप्सूल का मिश्रण लगाएं। 5-1० मिनट के बाद पैरों को धोकर तौलिए से पोंछ लें।

योगा से बनाए कमर को छरहरा!

अनियमित और अत्यधिक खान-पान के कारण कमर के कमरा बनने में देर नहीं लगती। कमर के छरहरा होने से व्यक्ति फिट नजर तो आता ही है साथ ही उसमें फूर्ति भी बनी रहती है। कमर को छरहरा बनाए रखने के लिए यहाँ प्रस्तुत है कुछ योगा टिप्स। सावधान मुद्रा में खड़े हो जाएँ। फिर दोनों होथों को कमर पर रखकर कमर से पीछे की ओर जहाँ तक संभव हो झुककर वहाँ रूकें। अब साँस की गति सामान्य रखकर आँखें बंद कर लें और कुछ देर इसी पोजिशन में रूकने के बाद वापस आ जाएँ। 4-5 बार दोनों ओर से इसका अभ्यास कर लें। इसके बाद पुनः सावधान मुद्रा में खड़े होकर दाएँ हाथ को बाएँ कंधे पर और बाएँ हाथ को दाएँ कंधे पर रखकर पहले दाईं ओर कमर से पीछे की ओर मुड़ें।

गर्दन को भी मोड़कर पीछे की ओर देखें। अब साँस की गति सामान्य रखकर आँखें बंद कर लें और कुछ देर इसी पोजिशन में रूकने के बाद वापस आ जाएँ। 4-5 बार दोनों ओर से इसका अभ्यास कर लें। इसी तरह बाईं ओर मुड़कर करें।

सावधान मुद्रा में खड़े होकर फिर हथेलियों को पलटकर हाथों को ऊपर उठाकर समानांतर म में सीधा कर लें। साँस लेते हुए कमर को बाईं ओर झुकाएँ। इसमें हाथ भी साथ-साथ बाईं ओर चले जाएँगे। अधिक से अधिक कमर झुकाकर वहाँ रूकें। अब साँस की गति सामान्य रखकर आँखें बंद कर लें और कुछ देर इसी पोजिशन में रूकने के बाद वापस आ जाएँ। 4-5 बार दोनों ओर से इसका अभ्यास कर लेंशवासन में लेटकर पहले दोनों हाथ समानांतर म में फैला लें। फिर दाएँ पैर को बाईं ओर ले जाएँ और गर्दन को मोड़कर दाईं ओर देखें। इस दौरान बायाँ पैर सीधा ही रखें। फिर इसी म में इसका विपरित करें। 4-5 बार दोनों ओर से इसका अभ्यास कर लें इसके लाभः यह योग कमर की चर्बी को कम करता है। इसके अलावा यह कब्ज व गैस की प्रॉब्लम दूर करके किडनी, लीवर, आँतों व पैन्यिाज को भी स्वस्थ बनाए रखने में सक्षम हैं।

जन्माष्टमी : श्री कृष्ण के अवतरण का पावन पर्व

◆ललित शर्मा

आज 4 सितंबर 2०26 को भगवान श्रीकृष्ण का 5253 वाँ प्राकट्य दिवस बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। भगवान श्रीकृष्ण का जन्म दिवस जन्माष्टमी के नाम से प्रसिद्ध है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण का जन्म द्वापर युग में भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को आधी रात में मथुरा के कारागार में लगभग 5००० वर्ष पूर्व (लगभग 3,228 ईसा पूर्व) माना जाता है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मथुरा, वृंदावन, गोकुल, बरसाना आदि क्षेत्रों के साथ-साथ महाराष्ट्र, कर्नाटक और देश के अन्य राज्यों में भी बड़े उल्लास एवं धूमधाम से मनाया जाता है। इतना ही नहीं भारत की सीमाओं से परे बांग्लादेश, नेपाल, अमेरिका, इंग्लैंड सहित विश्व के अनेक देशों में भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी श्रद्धा, उत्साह, भक्ति भाव के साथ मनाई जाती है। इस दिन अधिकतर लोग व्रत रहते हैं, कुछ लोग निर्जला रहते हैं, जो लोग निर्जला नहीं रह पाते, वह फलाहार करते हैं और दिन में दही, मखाना, साबूदाना, कुट्टू या सिघाड़े के आटे की चीजें खाते हैं। रात के बारह बजे बाल गोपाल के जन्म के बाद आरती होती है, भगवान को पंजीरी, माखन, मिश्री और अन्य व्यंजनों का भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण किया जाता है। उसके बाद व्रत खुलते हैं। जन्माष्टमी के दिन मथुरा में श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ रहती है क्योंकि इस अवसर पर देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु मथुरा में आते हैं। इस दिन मथुरा के सभी मंदिरों को भव्य रूप से सजाया जाता है।

भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से संबंधित आकर्षक झांकियां सजाई जाती हैं और उनका मनमोहक प्रदर्शन किया जाता है। भगवान श्रीकृष्ण को बेशकीमती एवं सुंदर वस्त्रों से सजाया जाता है मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे संपूर्ण मथुरा भक्तिमय वातावरण में डूब जाता है।

जन्माष्टमी के दिन मुख्य केंद्र बिंदु मथुरा में स्थित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मंदिर होता है क्योंकि इसे भगवान श्रीकृष्ण का जन्मस्थान माना जाता है। जन्म के अगले दिन हर्षोल्लास के साथ नंदोत्सव नंदगांव और गोकुल में

मनाया जाता है, जिसमें बधाई गीत गाए जाते हैं और खिलौने मिठाइयाँ बाँटी जाती हैं। जन्माष्टमी के दिन अनेक लोग श्रद्धालुओं के लिए भंडारे आयोजित कराते हैं, जगह-जगह भंडारों के माध्यम से श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाता है।

इस अवसर पर प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने, यातायात सुचारू बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्था की जाती हैं। इस दिन पूरे ब्रज क्षेत्र में विभिन्न खेल प्रतियोगिता और खेल कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, इनमें दौड़, ऊँची कूद, लंबी कूद सहित अन्य खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित होती हैं। इसके साथ ही ब्रज की पारंपरिक कुश्ती को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर दंगलों का आयोजन किया जाता है, जिनमें दूर-दूर से पहलवान भाग लेने के लिए पहुँचते हैं। मथुरा के अलावा भारत के कई अन्य प्रमुख शहरों और राज्यों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बहुत धूमधाम से एवं तरीके से मनाया जाता है। द्वारका गुजरात, मुंबई और पुणे महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर दही हांडी मटकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। उडपी कर्नाटक में श्रीकृष्ण मंदिर में विट्ठल पिण्डी उत्सव के साथ पारंपरिक रूप से जन्माष्टमी मनाई जाती है। गरुवयर केरल में श्रीकृष्ण मंदिर में दक्षिण भारतीय परंपराओं के अनुसार विशेष अनुष्ठान और झांकियाँ निकाली जाती हैं।

पुरी ओडिशा जगन्नाथ पुरी में श्रीकृष्ण भगवान के जन्मोत्सव विशेष आकर्षण और धार्मिक कार्यक्रम होते हैं। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आध्यात्मिक और धार्मिक आस्था का पर्व होने के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने से बाजारों, होटलों, परिवहन, प्रसाद, पूजा सामग्री और अन्य व्यापारी गतिविधियों में तेजी आती है, इससे स्थानीय व्यापारियों और छोटे-बड़े कारोबारियों को आर्थिक लाभ मिलता है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी केवल भगवान श्रीकृष्ण के अवतरण का पर्व नहीं है बल्कि भारतीय संस्कृति, आत्मा और भक्ति का प्रतीक है। मथुरा, वृंदावन से लेकर देश-विदेश तक यह पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। यह हमें श्रीकृष्ण के जीवन से धर्म, कर्म, प्रेम और मानवता का संदेश देता है, वास्तव में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी हमारी संस्कृति को जीवंत रखने वाला एक महत्वपूर्ण पर्व है।

शब्द सामर्थ्य -057

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

1		2			3		4	5
							6	
	7		8		9			
		10		11				
12			13				14	15
16	17					18		
19		20						
					21			
	22							

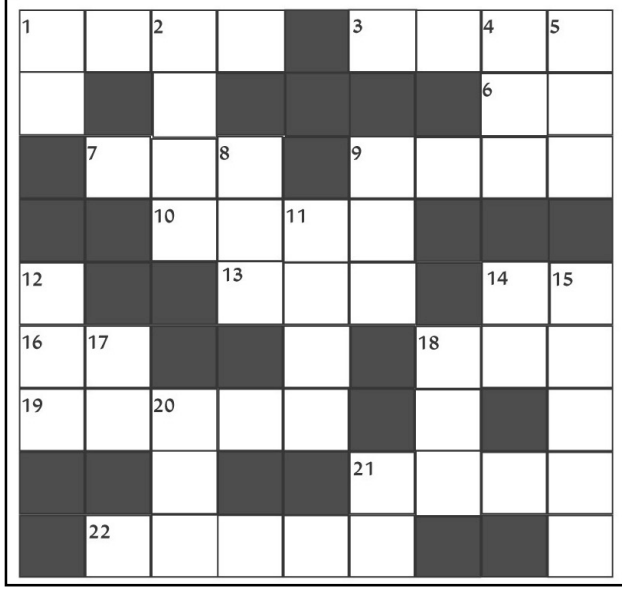

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 56 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द		स	पू	त
ल		ब	ल	वा	न			द
म	ह	क		खा	म	खां		बी
ग्न		त	ल	ना		स	फ	र
	म	रा				ना	टा	
	हि		स				फ	न
	ला	ज	वा	ब		म	ट	र
मां		ग		सं	त	ति		भ
	मा	त	ह	त			प	क्षी

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समारोह को यादगार बनाने वाले विद्यालय सम्मानित

❑जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रतिनिधियों का बढ़ाया उत्साह

हमारे संवाददाता

पौड़ी। स्वतंत्रता दिवस समारोह को अपनी शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जीवंत और यादगार बनाने वाले विद्यालयों को जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने जिला मुख्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में सम्मानित किया। इस अवसर पर संबंधित विद्यालयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में छात्र-छात्राओं की शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों के उत्साह और प्रतिभा ने समारोह में नई ऊर्जा और उमंग भर दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे के भीतर प्रतिभा की अपनी चमक होती है, जिसे उचित मंच और प्रोत्साहन से निखारा जा सकता है। उन्होंने बच्चों में उत्साह की लौ हमेशा प्रज्ज्वलित रखने का संदेश देते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने बच्चों को मंच देने और उनकी प्रतिभा निखारने में शिक्षकों के योगदान की भी सराहना की। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पौड़ी नगर, राजमती देवी सरस्वती विद्या मंदिर तिमली, राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय नंबर 5, नेहरू मॉन्टेसरी स्कूल सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया था। विद्यार्थियों ने देशभक्ति, लोक संस्कृति और विभिन्न सामाजिक विषयों पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियों से समारोह में उपस्थित लोगों की खूब तालियां बटोरीं।

सम्मान समारोह में विद्यालयों के प्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया। नेहरू मॉन्टेसरी स्कूल की प्रधानाचार्या रचना सेमवाल ने कहा कि उन्हें पहली बार ऐसा अवसर प्राप्त हुआ है, जब बच्चों की प्रतिभा को मंच देने के साथ-साथ उसे सम्मान और प्रोत्साहन भी मिल रहा है। इस अवसर पर मुख्य शिक्षाधिकारी अत्रेश सयाना, जिला खेल समन्वयक योगंबर सिंह नेगी सहित संबंधित विद्यालयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पुलिस ने स्कूली बच्चों को पढ़ाया महिला सुरक्षा व साइबर जागरुकता का पाठ

संवाददाता

उत्तरकाशी। एएनटीयू व पुलिस ने स्कूली बच्चों को महिला सुरक्षा व साइबर जागरूकता का पाठ पढाया।

आज यहां पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में मानव तस्करी, महिला एवं बाल अपराधों की प्रभावी रोकथाम तथा जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उत्तरकाशी पुलिस द्वारा लगातार जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इसी क्रम में ए.एच.टी.यू. व कोतवाली उत्तरकाशी की टीम द्वारा राजकीय इण्टर कॉलेज फोल्ड धनारी, डुण्डा में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं को महिला अपराध, बाल भिक्षावृत्ति, मानव तस्करी, साइबर अपराध एवं नशा उन्मूलन तथा आपातकालीन न. 112, चाईल्ड हेल्पलाइन न. 1098 के संबंध में जागरूक करते हुए महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। पुलिस टीम द्वारा छात्र-छात्राओं को मानव तस्करी एवं साइबर अपराध के संभावित खतरों की पहचान, सुरक्षित व्यवहार एवं संदिग्ध परिस्थितियों में बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। सोशल मीडिया पर बच्चों को विभिन्न प्रकार के प्रलोभनों से सावधान रहने तथा किसी संदिग्ध व्यक्ति, गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया गया।

हरिद्वार को मिली बड़ी सौगातः अब आधार अपडेट के लिए नहीं जायेगें दून

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नागरिकों के लिए आज का दिन ऐतिहासिक साबित हुआ। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने हरिद्वार में अत्याधुनिक आधार सेवा केंद्र (एएसके) की शुरुआत कर जिले को बड़ी डिजिटल सुविधा की सौगात दी। कैबिनेट मंत्री एवं हरिद्वार विधायक मदन कौशिक ने फीता काटकर इस केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया और स्वयं अपना आधार अपडेट कराकर नागरिकों को यह संदेश दिया कि अब आधार से जुड़ी हर महत्वपूर्ण सेवा हरिद्वार में ही उपलब्ध होगी।

कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि 5 से 17 वर्ष की आयु के बच्चों का मेंण्डेटरी बायोमेट्रिक अपडेट समय पर अवश्य कराया जाए। यह अपडेट स्कूल प्रवेश, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं और अन्य सरकारी सेवाओं के लिए बेहद आवश्यक है। यूआईडीएआई द्वारा 30 सितंबर 2026 तक यह सुविधा पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि हरिद्वार में आधार सेवा केंद्र की शुरुआत डिजिटल उत्तराखंड और सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे आम नागरिकों को बेहतर, सरल और समयबद्ध सेवाएं अपने ही जिले में मिल सकेंगी। अब आधार नामांकन, मोबाइल नंबर,फोटो अपडेट और पता परिवर्तन, जनसांख्यिकीय एवं बायोमेट्रिक अपडेट, त्रुटि सुधार, शिकायत निवारण सहित सभी आवश्यक आधार

कैबिनेट मंत्री ने किया यूआईडीएआई आधार सेवा केंद्र का शुभारंभ

सेवाओं के लिए नागरिकों को देहरादून जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इससे हरिद्वार, रुड़की, लक्सर, भगवानपुर और आसपास के लाखों लोगों को समय और धन दोनों की बचत होगी।

निदेशक कुमार उज्ज्वल ने अवगत कराया कि आधार सेवा केंद्र सीधे यूआईडीएआई द्वारा संचालित किए जाते हैं। ये केंद्र पूर्णत: समावेशी एवं निवासी अनुकूल बनाए गए हैं, जिनमें व्हीलचेयर सुगम्यता, सुगम्य शौचालय, तथा एक समर्पित शिकायत निवारण तंत्र जैसी सुविधाएं शामिल हैं साथ ही केंद्र को आठ आधुनिक संचालन किटों से सुसज्जित किया गया है, जिससे नागरिकों को तेज, पारदर्शी और सुविधाजनक सेवाएं मिल सकेंगी। यह केंद्र सार्वजनिक अवकाश छोड़कर सप्ताह के सभी दिनों में संचालित रहेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील त्यागी, पार्षद सत्येंद्र चौधरी, उप महानिदेशक अविनाश अग्रवाल, यूआईडीएआई एसीटेट मैनेजर नीतीश सैनी, ब्रांच मैनेजर गौरव राणा,सागर सिंह चौहान, सुभाष शर्मा,नागेन्द्र सिंह,सत्यपाल चौहान, यूआईडीएआई क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली एवं मीडिया प्रतिनिधि, यूआईडीएआई आधार सेवा केंद्र के कर्मचारी और सेवा प्रदाता कंपनी मेसर्स बीएलएस इंटरनेशनल के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

रानीपोखरी में फेरीवालों का सत्यापन अभियान शुरू

ऋषिकेश (आरएनएस)। रानीपोखरी क्षेत्र में बाहर से आने वाले फेरीवालों और घुमंतू विक्रेताओं के सत्यापन को लेकर पुलिस ने सत्यापन अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस टीम द्वारा फेरीवालों की पहचान के लिए आवश्यक दस्तावेज लिए जा रहे हैं। जनप्रतिनिधियों की मांग के बाद रानीपोखरी पुलिस ने क्षेत्र में बाहर से आकर फेरी लगाने वाले लोगों का सत्यापन अभियान शुरू कर दिया है। रानीपोखरी एसआई बलदीप सिंह ने बताया कि जनप्रतिनिधियों की ओर से सौंपे गए ज्ञापन का संज्ञान लेते ही पुलिस ने सत्यापन अभियान शुरू कर दिया है। क्षेत्र में बाहर से आने वाले फेरीवालों की पहचान और दस्तावेजों की जांच की जा रही है तथा संदिग्ध गतिविधियों पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी। उन्होंने लोगों से भी अपील की है कि क्षेत्र में किसी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

आधुनिक उपकरणों से सुदृढ़ होंगे महाविद्यालय और तकनीकी संस्थान

हमारे संवाददाता

पौड़ी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों एवं शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक एवं रोजगारपरक वातावरण विकसित करने की प्राथमिकता के अनुरूप जनपद के उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्र-छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने विभिन्न महाविद्यालयों एवं तकनीकी संस्थानों में आवश्यक निर्माण एवं मरम्मत कार्यों तथा आधुनिक उपकरणों की व्यवस्था के लिए लगभग 46 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है।

जिला प्रशासन द्वारा उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित करते हुए उनकी आवश्यकताओं, सुझावों एवं प्राथमिकताओं को कार्ययोजना में शामिल किया जा रहा है। इसका उद्देश्य केवल आधारभूत सुविधाओं का विकास

◆स्मार्ट क्लास के साथ निर्माण व मरम्मत कार्यों को मिलेगी गति
◆जिलाधिकारी ने स्वीकृत किए लगभग 46 लाख रुपये

करना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को ऐसा बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है, जहां वे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ कौशल, रोजगार एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में भी आगे बढ़ सकें।

जिलाधिकारी ने राजकीय महाविद्यालय थलीसैंण में छात्र-छात्राओं की सुविधा के लिए आधुनिक शौचालय निर्माण हेतु 11 लाख 45 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। वहीं भक्त दर्शन महाविद्यालय जयहरीखाल में दो कक्षों की मरम्मत के लिए 9 लाख 95 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसी क्रम में केंद्रीय विद्यालय कोटद्वार में आधुनिक उपकरण एवं विद्यार्थियों की आवश्यकतानुसार सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 4 लाख 60 हजार रुपये, राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी कोटद्वार के लिए 4 लाख 25 हजार रुपये तथा पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार के लिए 6 लाख 71 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके अतिरिक्त राजकीय पॉलिटेक्निक पाबौ, राजकीय महाविद्यालय कल्जीखाल, राजकीय महाविद्यालय पाबौ, राजकीय पॉलिटेक्निक सतपुली तथा गुरु गोरखनाथ महाविद्यालय बिथ्याणी, यमकेश्वर के लिए विभिन्न विकास कार्यों एवं आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता हेतु कुल 8 लाख 28 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

जनता की समस्याओं का समाधान नहीं होने पर वरिष्ठ नागरिक संगठन नाराज

हरिद्वार (आरएनएस)। वरिष्ठ नागरिक सामाजिक संगठन ने बैठक कर जनसमस्याओं का समाधान नहीं होने पर नाराजगी जताई गई। संगठन पदाधिकारियों ने सरकार से जल मूल्य और बिजली दरों में वृद्धि वापस लेने समेत विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की। विद्यासागर गुप्ता ने कहा कि संगठन लंबे समय से वार्षिक जल मूल्य वृद्धि नहीं करने की मांग करता आ रहा है। इसके बावजूद अप्रैल से जल मूल्य में करीब पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। इससे आम उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ा है। हरदयाल अरोड़ा ने कहा कि बिजली की दरों में लगातार बढ़ोतरी से उपभोक्ता परेशान हैं। नियामक बोर्ड ने एक सितंबर से बिजली दरों में 24 से 67 पैसे प्रति यूनिट तक वृद्धि की है। उन्होंने बढ़ी दरें वापस लेने की मांग की। एससीएस भास्कर ने कहा कि ज्वालापुर रेलवे अंडरपास में बारिश के दौरान पानी भरने और कीचड़ के कारण यातायात प्रभावित होता है। कई बार अधिकारियों से शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। राम सागर सिंह ने हरिद्वार से सुबह मुरादाबाद के लिए यात्री ट्रेन या शटल सेवा शुरू करने की मांग रखी। सुभाष ग्रोवर ने भरण-पोषण पेंशन बढ़ाकर 3000 रुपये प्रतिमाह करने की मांग की। बैठक में चौधरी चरण सिंह, संतराम, हरगुलाल सिंह, विपिन गोयल, सोमपाल, श्याम सिंह, रमेश मिश्रा, बीएम गुप्ता, जेएल आहूजा आदि मौजूद रहे।

बीएचईएल ने केंद्र सरकार को दिया 283.56 करोड़ का अंतिम लाभांश

हरिद्वार(आरएनएस)। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत सरकार को 283.56 करोड़ रुपये का अंतिम लाभांश भुगतान किया है। यह राशि वित्त वर्ष 2024-25 में दिए गए लाभांश से ढाई गुने से भी अधिक है। केंद्र सरकार के पास कंपनी की 58.17 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी है। इसी हिस्सेदारी पर अंतिम लाभांश के रूप में 283.56 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। इस संबंध में अंतिम लाभांश का चेक केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी को बीएचईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के. सदाशिव मूर्ति ने सौंपा। इस दौरान भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव (एचआई) कामरान रिजवी मौजूद रहे। चेक सौंपने के कार्यक्रम में बीएचईएल के निदेशक और भारी उद्योग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। बीएचईएल के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कंपनी के सभी शेयरधारकों को दिए गए कुल लाभांश की राशि 487.49 करोड़ रुपये है। इसमें भारत सरकार की 58.17 प्रतिशत हिस्सेदारी पर 283.56 करोड़ रुपये का अंतिम लाभांश शामिल है। कपंनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में इस बार केंद्र सरकार को दिए गए अंतिम लाभांश में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।

सू- दोकू क्र.057

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.56 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

उधमसिंह नगर जिले के विधायकों का विकास का रिपोर्ट कार्ड

विधायक निधि खर्च करने में राणा अव्वल

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। विधायक निधि खर्च के विवरण के रूप में उधमसिंह नगर जिले के विधायकों का विकास का रिपोर्ट कार्ड सामने आया है। इसमें जिले की कुल विधायक निधि खर्च का प्रतिशत 68 हैं जबकि जिले में अव्वल रहे नामकमत्ता विधायक गोपाल सिंह राणा की सर्वाधिक 74 प्रतिशत विधायक निधि जून 2026 तक खर्च हुई है।

काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन ने उत्तराखंड के आयुक्त ग्राम विकास कार्यालय के लोक सूचनाधिकारी से मौजूदा विधायकों के विधायक निधि खर्च की सूचना चाही थी। इसके उत्तर में लोक सूचना अधिकारी/उपायुक्त (प्रशासन) ग्राम्य विकास हेमंती गुंजियाल ने 2022-23 से 2025-26 तक माह जून 2026 के विवरण की सत्यापित फोटो प्रतियां श्री नदीम को उपलब्ध करायी है। उपलब्ध विधायक निधि विवरण के अनुसार प्रति विधायक 23.75 करोड़ की दर से उधमसिंह नगर जिले के वर्तमान विधायकों को 213.75 करोड़ रूपये की विधायक निधि आर्वटित हुई हैं जिसमें से 68 प्रतिशत 145.86 करोड़ रूपये की विधायक निधि जून 2026 तक खर्च हुई है तथा 67.89 करोड़ की विधायक निधि खर्च होने को शेष हैं। विधायक वार विवरण के अनुसार जिले में सर्वाधिक 74 प्रतिशत विधायक निधि नानकमत्ता विधायक गोपाल सिंह राणा की खर्च हुई है। उन्होंने 555 विकास कार्यों के रूप में 1837.19 लाख के प्रस्ताव मुख्य विकास अधिकारी को भेजे हैं जिसमें से 555 कार्यों रू. 1799.27 लाख के प्रस्ताव स्वीकृत हुये हैं। इसमें से 1741.08 लाख रूपये कार्यदायी संस्थाओं को अवमुक्त हुये जो सभी खर्च हो गये है। रू.13.28 लाख, प्रशासनिक व्यय जोड़कर कुल 1754.36 लाख की धनराशि खर्च हुई है।

राणा द्वारा स्वीकृत कुल 555 कार्यों में 377 सामान्य वर्ग, 22 अनुसूचित जाति वर्ग तथा 156 जन जाति वर्ग के हैं। इसमें से क्रमंश: 366, 22 तथा 154 कार्य कुल 542 कार्य पूर्ण हो चुके है तथा 13 कार्य प्रगति पर हैं।

दूसरे स्थान पर 72 प्रतिशत विधायक निधि सितारगंज विधायक सौरभ बहुगुणा की खर्च हुई है। उन्होंने 512 विकास कार्यों के रूप में 1824.57 लाख के प्रस्ताव मुख्य विकास अधिकारी को भेजे हैं जिसमें से 511 कार्यों रू. 1822.67 लाख के प्रस्ताव स्वीकृत हुये हैं।

❑सूचना अधिकार के तहत उपलब्ध सूचना के तहत हुआ खुलासा

तीसरे स्थान पर 71 प्रतिशत विधायक निधि काशीपुर विधायक त्रिलोक सिंह चीमा की खर्च हुई है। उन्होंने 141 विकास कार्यों के रूप में 1804.49 लाख के प्रस्ताव मुख्य विकास अधिकारी को भेजे हैं जिसमें से 141 कार्यों रू. 1804. 48 लाख के प्रस्ताव स्वीकृत हुये हैं। इसमें से 1669.16 लाख रूपये कार्यदायी संस्थाओं को अवमुक्त हुये जो सभी खर्च हो गये है।

चौथे स्थान पर पर 70 प्रतिशत विधायक निधि गदरपुर विधायक अरविंद पाण्डे की खर्च हुई है। उन्होंने 351 विकास कार्यों के रूप में 1837.54 लाख के प्रस्ताव मुख्य विकास अधिकारी को भेजे हैं जिसमें से 351 कार्यों रू. 1837.39 लाख के प्रस्ताव स्वीकृत हुये हैं। इसमें से 1655.26 लाख रूपये कार्यदायी संस्थाओं को अवमुक्त हुये जो सभी खर्च हो गये है।

पांचवे स्थान पर 69.12 प्रतिशत विधायक निधि किच्छा विधायक तिलकराज बेहड की खर्च हुई है। उन्होंने 451 विकास कार्यों के रूप में 1831.67 लाख के प्रस्ताव मुख्य विकास अधिकारी को भेजे हैं जिसमें से 438 कार्यों रू. 1786. 32 लाख के प्रस्ताव स्वीकृत हुये हैं। इसमें से 1628.44 लाख रूपये कार्यदायी संस्थाओं को अवमुक्त हुये जो सभी खर्च हो गये है। छठे स्थान पर 68.12 प्रतिशत विधायक निधि खटीमा विधायक भुवन चन्द्र कांपड़ी की खर्च हुई है। उन्होंने 838 विकास कार्यों के रूप में 1836.76 लाख के प्रस्ताव मुख्य विकास अधिकारी को भेजे हैं जिसमें से 814 कार्यों रू. 1805.52 लाख के प्रस्ताव स्वीकृत हुये हैं। इसमें से 1614.93 लाख रूपये कार्यदायी संस्थाओं को अवमुक्त हुये जो सभी खर्च हो गये है। सातवें स्थान पर 67.12 प्रतिशत विधायक निधि जसपुर विधायक आदेश सिंह चौहान की खर्च हुई है। उन्होंने 251 विकास कार्यों के रूप में 1726.18 लाख के प्रस्ताव मुख्य विकास अधिकारी को भेजे हैं जिसमें से 250 कार्यों रू. 1726.18 लाख के प्रस्ताव स्वीकृत हुये हैं। इसमें से 1580.85 लाख रूपये कार्यदायी संस्थाओं को अवमुक्त हुये जो सभी खर्च हो गये है। आठवें स्थान पर 76 प्रतिशत विधायक निधि रूद्रपुर विधायक शिव आरोरा की खर्च हुई है। उन्होंने 454 विकास कार्यों के रूप में 1796.55 लाख के प्रस्ताव मुख्य विकास अधिकारी को भेजे हैं जिसमें से 450 कार्यों रू. 1792.41 लाख के प्रस्ताव स्वीकृत हुये हैं। इसमें से 1579.03 लाख रूपये कार्यदायी संस्थाओं को अवमुक्त हुये जो सभी खर्च हो गये है। नवें स्थान पर 55 प्रतिशत विधायक निधि बाजपुर विधायक यशपाल आर्य की खर्च हुई है। उन्होंने 484 विकास कार्यों के रूप में 1556.32 लाख के प्रस्ताव मुख्य विकास अधिकारी को भेजे हैं जिसमें से 480 कार्यों रू. 1536.32 लाख के प्रस्ताव स्वीकृत हुये हैं। इसमें से 1303.13 लाख रूपये कार्यदायी संस्थाओं को अवमुक्त हुये जिसमें 1303.11 लाख खर्च हो गये है।

लंपी बीमारी की रोकथाम को लेकर प्रशासन अलर्ट, टीकाकरण और फॉगिंग तेज करने के निर्देश

अल्मोड़ा (आरएनएस)। जनपद में लंपी स्किन बीमारी के संभावित प्रसार को रोकने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

मुख्य विकास अधिकारी रामजीशरण शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए बीमारी की रोकथाम के लिए समन्वित कार्रवाई, व्यापक टीकाकरण, फॉगिंग और पशुओं की आवाजाही पर कड़ी निगरानी के निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने नगर आयुक्त, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों तथा जिला पंचायत के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित फॉगिंग और कीटनाशक दवाओं का छिड़काव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए बीमारी की रोकथाम के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी करें। उन्होंने पशुपालन विभाग को जनपद के अधिक से अधिक गोवंशीय पशुओं का टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही टीकाकरण अभियान की नियमित निगरानी करते हुए शत-प्रतिशत पात्र पशुओं को इसके दायरे में लाने पर जोर दिया, ताकि बीमारी के खतरे को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सके।

मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद की सीमाओं पर स्थापित प्रवेश नाकों पर पशुओं के परिवहन की नियमित जांच करने और आवश्यकता अनुसार उनकी आवाजाही पर नियंत्रण बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने कहा कि निगरानी व्यवस्था को पूरी गंभीरता से लागू किया जाए, जिससे संक्रमण के प्रसार की संभावना को न्यूनतम किया जा सके। बैठक में पशुपालकों को लंपी स्किन बीमारी के लक्षण, बचाव के उपाय और आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक करने पर भी विशेष जोर दिया गया। पशुपालन विभाग को निर्देशित किया गया कि वह गांव-गांव तक आवश्यक जानकारी पहुंचाने के साथ पशुपालकों को समय पर टीकाकरण के लिए प्रेरित करे। बैठक में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी योगेश अग्रवाल, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत राजेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला अस्पताल में अल्ट्रासाउड शिविर लगा

पिथौरागढ़(आरएनएस)। जिला महिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड शिविर का आयोजन हुआ। जनपद सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से गर्भवती महिलाएं अल्ट्रासाउंड कराने को यहां पहुंचे। इस दौरान महिलाएं अल्ट्रासाउंड कक्ष में पर्चा लगाकर कक्ष के बाहर अपनी बारी का इंतजार कर रही थी। इस दौरान रेडियोलॉजिस्ट ने बारी-बारी से सभी महिलाओं का अल्ट्रासाउंड किया।

किसानों एवं स्वयं सहायता समूहों के लिए उपयोगी होगा 'मनोरमा कृषि रक्षक' एपः मुख्यमंत्री

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में मनोरमा डबराल जन कल्याण समिति द्वारा विकसित किसान-केंद्रित मोबाइल एप 'मनोरमा कृषि रक्षक' का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने 'मनोरमा कृषि रक्षक' एप को किसानों एवं स्वयं सहायता समूहों के लिए उपयोगी बताते हुए इस पहल के लिए संस्था को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के बेहतर उपयोग से किसानों को कृषि संबंधी आवश्यक जानकारियां एवं सेवाएं सुगमता से उपलब्ध कराने में इस प्रकार की पहल उपयोगी साबित हो सकती है। मनोरमा डबराल जन कल्याण समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 'मनोरमा कृषि रक्षक' एप के माध्यम से किसानों को रियल टाइम मौसम संबंधी जानकारी एवं अलर्ट, फसल-विशिष्ट कृषि सलाह, एआई आधारित फसल रोग पहचान, कृषि एवं बाजार संबंधी जानकारी तथा परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स से संबंधित सुविधाएं एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। एप में स्वयं सहायता समूहों एवं ग्रामीण उद्यमों को बाजार से जोड़ने से संबंधित सुविधाओं को भी शामिल किया गया है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि एप को किसानों की व्यावहारिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य आधुनिक तकनीक के माध्यम से किसानों को कृषि उत्पादन से लेकर बाजार तक आवश्यक डिजिटल सहयोग उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री श्री गणेश जोशी, मनोरमा डबराल जन कल्याण समिति से श्रीमती कमला डबराल, श्री राजेश डबराल, श्री अंशुल, श्री प्रांजल नौडियाल एवं सूरवीर सिंह कठैत उपस्थित रहे।

शुद्धिकरण विवाद के बीच 'शक्ति प्रदर्शन'

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

के साथ मैदान में उतरने का।

हल्द्वानी में नेताओं के आने-जाने और मंचों पर भाषणों से कहीं बड़ी परीक्षा दोनों दलों के जमीनी संगठन की है। 2027 में पहाड़ से लेकर मैदान तक मुद्दों की लंबी फेहरिस्त होगी रोजगार, पलायन, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, महंगाई और स्थानीय अस्मिता से लेकर कानून-व्यवस्था तक। इसलिए नबीन की बैठक का असली अर्थ मंच से दिए जाने वाले भाषणों में नहीं, बल्कि बैठक के बाद भाजपा की बूथ से लेकर विधानसभा स्तर तक की रणनीति में दिखाई देगा। फिलहाल इतना तय है कि खड़गे की हल्द्वानी रैली से उठी राजनीतिक चिंगारी अभी बुझी नहीं है। शुद्धिकरण विवाद ने इसे और हवा दे दी है। अब उसी हल्द्वानी में भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व पहुंच रहा है। खड़गे ने जहां सवाल खड़े किए थे, वहां नबीन संगठन की ताकत दिखाएंगे और इसी के साथ हल्द्वानी में 2027 की चुनावी लड़ाई का एक और अध्याय खुलता दिखाई दे रहा है।

खाकी पर 'सवाल'...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

और वीवीआईपी मूवमेंट रूट पर अपनी स्कूटी खड़ी कर दी। मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा हटने को कहे जाने के दौरान कथित तौर पर दोनों की पुलिसकर्मियों से कहासुनी भी हुई। पुलिस का तर्क है कि वीवीआईपी सुरक्षा व्यवस्था के दौरान निर्धारित रूट पर किसी भी तरह का अवरोध सुरक्षा के लिहाज से गंभीर माना जाता है। इसी वजह से दोनों पत्रकारों को हिरासत में लिया गया। यदि पुलिस का पक्ष सही है और पत्रकारों ने वीवीआईपी रूट बाधित किया था, तो उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए कानून और निर्धारित प्रक्रिया मौजूद है। लेकिन दूसरी तरफ यदि पत्रकारों के साथ हिरासत के दौरान मारपीट या बदसलूकी हुई है, तो यह मामला केवल एक सामान्य विवाद नहीं रह जाता।

हिरासत में लिए गए व्यक्ति के साथ पुलिस का व्यवहार कानून के दायरे में होना चाहिए। चाहे वह पत्रकार हो या आम नागरिक। यही वजह है कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच जरूरी हो गई है। क्या स्कूटी से निकास मार्ग बाधित हुआ था और मौके की सीसीटीवी फुटेज क्या कहती है? क्या पत्रकारों ने पुलिस निर्देशों का पालन करने से इनकार किया या स्थिति किसी अन्य कारण से बिगड़ी? यदि पत्रकारों के साथ मारपीट का आरोप है तो मेडिकल रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज और मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों के बाडी-कैमरा/वीडियो रिकार्ड जैसे साक्ष्य महत्वपूर्ण होंगे। यदि पत्रकारों ने सुरक्षा व्यवस्था में बाधा डाली थी तो उसका प्रमाण सामने आना चाहिए। यदि पुलिस ने अपनी शक्ति का कथित तौर पर दुरुपयोग किया तो उसकी भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। साकेत की यह घटना एक बड़े सवाल को जन्म देती हैकृक्या वीवीआईपी सुरक्षा और पत्रकारिता की स्वतंत्रता के बीच संतुलन कायम करने में पुलिस नाकाम हो रही है? पत्रकारों के आरोप सही हैं तो मामला गंभीर है। पुलिस का पक्ष सही है तो उसे भी रिकार्ड और साक्ष्यों के साथ स्पष्ट किया जाना चाहिए। क्योंकि खाकी की ताकत कानून से आती है और पत्रकार की ताकत सवाल पूछने के अधिकार से। दोनों के बीच टकराव में सच दबना नहीं चाहिए।

छात्रा की मौत पर कांग्रेस ने खोला सरकार के खिलाफ मोर्चा

हमारे संवाददाता

पौड़ी। छात्रा मधु यादव की मौत का मामला अब सड़क से सियासी गलियारों तक पहुंच गया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के भरसार पहुंचते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आक्रोश सामने आया। कार्यकर्ताओं ने सरकार और स्थानीय विधायक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और छात्रा की मौत के मामले में जिम्मेदारी तय करने के साथ ही पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की।

भरसार पहुंचे गणेश गोदियाल ने छात्रों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली। छात्रों ने आरोप लगाया कि छात्रा मधु यादव को समय पर चिकित्सा सुविधा नहीं मिल सकी। छात्रों के अनुसार संस्थान में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और डॉक्टर के उपलब्ध न होने की समस्या लंबे समय से चिंता का विषय बनी हुई है। गोदियाल ने विश्वविद्यालय प्रशासन से वार्ता कर संस्थान में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। प्रशासन की ओर से उन्हें बताया गया कि डॉक्टर की नियुक्ति की प्रक्रिया गतिमान है। इस पर गोदियाल ने स्वास्थ्य मंत्री से फोन पर वार्ता की और भरसार में जल्द से जल्द डॉक्टर की नियुक्ति सुनिश्चित करने की मांग की।

छात्रों ने कहा कि भरसार जैसे दूरस्थ क्षेत्र में महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थान होने के बावजूद यदि आपात स्थिति में समय पर चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाए तो छात्रों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता होना स्वाभाविक है। उन्होंने संस्थान में स्थायी और पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाई। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्र में संचालित शिक्षण संस्थान में स्वास्थ्य सुविधा कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि छात्रों की सुरक्षा से जुड़ी बुनियादी जरूरत है। उन्होंने कहा कि छात्रा की मौत के बाद व्यवस्थाओं में रही कमियों की जांच होना और जिम्मेदारी तय किया जाना बेहद जरूरी है। गोदियाल ने कहा कि छात्रा की मौत जैसे गंभीर मामले को केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रखा जा सकता। पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि जांच में किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो संबंधित व्यक्ति की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जानी चाहिए। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष विनोद नेगी, नितिन बिष्ट, सुरेंद्र सिंह रावत, ब्लॉक अध्यक्ष चाकीसैंण मंगल सिंह, जिला महासचिव दिनेश कोहली, विक्रम सिंह नेगी, अनिल कुमार, विक्रम सिंह, अमर सिंह, बेगारी सिंह, विनोद रावत, भगत पंवार समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पहाड़ों में बदहाल स्वास्थ्य सेवाएः डांडी के सहारे ग्रामीण गर्भवती को 6 किमी पैदल लेकर पहुंचे अस्पताल

हमारे संवाददाता

चमोली। पहाड़ो में स्वास्थ्य सेवाओं के क्या हालात है। इसकी बानगी चमोली जिले के देवाल क्षेत्र में सामने आयी है। यहां एक गर्भवती महिला को अस्पताल पहुंचाने के लिए ग्रामीणों को डांडी का सहारा लेना पड़ा। ग्रामीण जब छह किलोमीटर चलकर अस्पताल पहुंचे तो वहां कोई भी डाक्टर मौजूद नहीं था। जिस कारण ग्रामीण आक्रोशित है।

जानकारी के अनुसार सड़क सुविधा से वंचित पिनाऊं गाँव की प्रसूता महिला खिमली देवी पत्नी धन सिंह उम्र 33 की तबीयत बिगड़ने पर ग्रामीणों को उसे अस्पताल पहुंचाने के लिए छह किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ा। महिला को पहले डांडी और फिर कुर्सी के सहारे दुर्गम रास्ते से सड़क तक पहुंचाया गया।

ग्राम प्रधान लखपत दानू ने मामले की जानकारी थराली विधायक भूपाल राम टम्टा को दी। महिला की स्थिति को देखते हुए विधायक की ओर से हेली सेवा की व्यवस्था कराने का प्रयास किया गया।

ग्रामीणों के अनुसार, दोपहर करीब दो बजे महिला को लेकर वे बलाण गांव में हेलीकॉप्टर के लिए निर्धारित स्थान पर पहुंच गए थे। काफी देर इंतजार किया लेकिन क्षेत्र में कम विजिबिलिटी के कारण हेली आधे रास्ते से ही वापस लौट गया। ग्राम प्रधान के अनुसार शाम करीब साढ़े पांच बजे तक इंतजार किया गया। इसके बाद ग्रामीणों ने महिला को सड़क मार्ग से अस्पताल पहुंचाने का निर्णय लिया। ग्रामीणों ने महिला को करीब छः किलोमीटर तक कुर्सी पर बैठाकर पैदल पहुंचाया। ग्रामीणों का आरोप है कि अस्पताल पहुंचने पर वहां डॉक्टर मौजूद नहीं थे। अस्पताल के बाहर एक बोर्ड लगा था, जिस पर लिखा था- 'डॉक्टर पेपर देने गए हुए हैं।' ग्रामीणों का कहना है कि महिला की स्थिति की जानकारी पहले ही फोन से एएनएम को दी गई थी। दोबारा सूचना देने के बाद एएनएम अस्पताल पहुंचीं। महिला को आगे रेफर किए जाने के बाद एंबुलेंस के लिए भी दो घंटे से अधिक समय तक इंतजार करना पड़ा।

महिलाओं की पिटाई का वीडियो वायरल होने से मचा हड़कंप

हमारे संवाददाता

देहरादून। प्रेमनगर क्षेत्र के केहरी गांव में देर रात किसी बात को लेकर दो पक्षों के बीच शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। दोनों पक्षों के लोग लाठी-डंडे लेकर आमने-सामने आ गए। मारपीट के दौरान महिलाओं के साथ भी हाथापाई की गई। घटना का वीडियो वायरल होने पर पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

❑सड़क पर भिड़े दो पक्ष, ईंट से युवक का सिर फोड़ा

वायरल वीडियो में कुछ युवक एक महिला को चारों तरफ से घेरकर उसकी पीठ पर घूंसे मारते दिखाई दे रहे हैं। महिला को बचाने के लिए छह से अधिक महिलाएं मौके पर पहुंचती हैं। इसके बाद महिलाएं मारपीट में शामिल एक युवक को बीच हाईवे पर गिरा देती हैं और उसकी पिटाई शुरू कर देती हैं। हालांकि सांध्य दैनिक 'दून वैली मेल' इस वायरल वीडियों की पुष्टि नहीं करता।

घटना के दौरान स्थिति उस समय और ज्यादा तनावपूर्ण हो गई जब भीड़ में शामिल एक युवक ने ईंट उठाकर दूसरे पक्ष के एक युवक के सिर पर वार कर दिया। इसके कुछ ही देर बाद एक अन्य युवक ने जोर से ईंट फेंकी। ईंट एक युवक को जा लगी, जिससे वह सड़क पर गिर पड़ा। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

मारपीट के दौरान सड़क से गुजर रहे कुछ लोगों ने अपने मोबाइल फोन से घटनाक्रम का वीडियो बना लिया। वीडियो में दोनों पक्षों के बीच हो रही मारपीट, महिलाओं द्वारा युवक को पीटे जाने और ईंट-पत्थर चलने की घटनाएं दिखाई दे रही हैं। वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया है।फिलहाल घटना को लेकर किसी भी पक्ष की ओर से प्रेमनगर थाना पुलिस को लिखित शिकायत नहीं दी गई है। हालांकि, पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस वीडियो के आधार पर मारपीट और उपद्रव में शामिल लोगों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस के अनुसार, विवाद की वास्तविक वजह क्या थी, इसकी भी पड़ताल की जा रही है। साथ ही मारपीट में किसी के घायल होने की जानकारी जुटाई जा रही है। वीडियो और जांच से सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सीएम धामी ने 147 करोड़ की पेंशन राशि का किया वन क्लिक भुगतान

◆9 लाख 91 हजार 914 लाभार्थियों को जारी की अगस्त माह की सामाजिक सुरक्षा पेंशन

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में समाज कल्याण विभाग की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत माह अगस्त 2026 की पेंशन किस्त का वन-क्लिक के माध्यम से भुगतान किया। इसके माध्यम से 9 लाख 91 हजार 914 लाभार्थियों के खातों में 147 करोड़ 05 लाख रुपये की पेंशन धनराशि भेजी गई। अगस्त माह में विभिन्न पेंशन योजनाओं के अंतर्गत 5,605 नए लाभार्थियों की पेंशन भी स्वीकृत की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के कमजोर, जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ सरलता एवं समयबद्धता से मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि पेंशन योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के

माध्यम से पात्र लाभार्थियों को नियमित रूप से पेंशन का भुगतान कर रही है। उन्होंने कहा कि पेंशन व्यवस्था को सरल, पारदर्शी एवं लाभार्थी केंद्रित बनाते हुए प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं से आच्छादित करने के लिए निरंतर कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि जिन पात्र लाभार्थियों का किसी कारणवश आधार नहीं बन पा रहा है, उन्हें चिन्हित कर उनके लिए अकाउंट बेस्ड पेमेंट की व्यवस्था की जाए, ताकि आधार संबंधी समस्या के कारण कोई भी पात्र लाभार्थी पेंशन के लाभ से वंचित न रहे।

प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया गया कि अगस्त 2026 में वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांग, किसान, परित्यक्ता, भरण-पोषण अनुदान, तीलू रौतेली एवं बौना पेंशन योजनाओं के कुल 9 लाख 91 हजार 914 लाभार्थियों के लिए 147 करोड़ 05 लाख 51 हजार रुपये की धनराशि निधरित की गई है। बताया गया कि कुल पेंशन लाभार्थियों में 2 लाख 14 हजार 711 लाभार्थी राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (छै।च) के अंतर्गत तथा 7 लाख 77 हजार 203 लाभार्थी राज्य स्तर पर आच्छादित हैं। अगस्त माह के पेंशन भुगतान में लगभग 140 करोड़ 11 लाख रुपये राज्यांश तथा 6 करोड़ 94 लाख रुपये केंद्रांश है।

प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि अगस्त माह में विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत कुल 5,605 नई पेंशन स्वीकृत की गई हैं। इनमें वृद्धावस्था पेंशन के 3,945, विधवा पेंशन के 1,000, दिव्यांग पेंशन के 416, किसान पेंशन के 106, परित्यक्ता पेंशन के 23 तथा भरण-पोषण अनुदान के 115 लाभार्थी शामिल हैं।

बैठक में आगामी कार्यक्रमों के संबंध में भी प्रस्तुतीकरण दिया गया। बताया गया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, भारत सरकार द्वारा 18 एवं 19 सितम्बर 2026 को डॉ. अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र, जनपथ, नई दिल्ली में दो दिवसीय राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन प्रस्तावित है। सम्मेलन में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता से संबंधित प्रमुख प्राथमिकताओं पर केंद्र, राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के बीच संवाद किया जाएगा।

इस अवसर पर समाज कल्याण मंत्री खजानदास, सचिव समाज कल्याण डॉ. श्रीधर बाबू अद्दांकी, अपर सचिव विक्रम यादव। संयुक्त सचिव धीरेंद्र सिंह, संयुक्त निदेशक गीताराम नौटियाल, सहायक निदेशक श्रीमती हेमलता पांडेय एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री आवास कूच करने पर महिला कांग्रेस अध्यक्ष सहित पांच पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री आवास कूच करने पर महिला कांग्रेस अध्यक्ष सहित पांच पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसआई रविन्द्र सिंह नेगी ने कैंण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योयति रौतेलाख विनीत प्रसाद भटट, रॉबिन त्यागी, आयुष गुप्ता, सागर मनवाल, मोहित उनियाल व अन्य के द्वारा मुख्यमंत्री आवास कूच करते हुए बैरियर से बलपूर्वक बैरियर हटाना व कार द्वारा अन्दर प्रवेश करने का प्रयास करना। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मंदिर से मूर्तियां व सामान चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मंदिर से मूर्तियां व सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसारा कुठालगेट निवासी पंकज जोशी ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज जब वह सलान गांव स्थित मंदिर में गया तो उसने देखा कि मंदिर परिसर से अष्टधातु की मूर्तिया, घंटा, घंटिया व कटोर , दीपक व धनराशि व अन्य सामान गायब था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

16 पेटी शराब सहित तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

टिहरी। पहाड़ो में शराब तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 16 पेटी शराब व तस्करी में प्रयुक्त कार बरामद की गयी है। जानकारी के अनुसार बीती रात थाना लम्बगांव पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई शराब तस्कर शराब की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध कार आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो चालक कार छोड़कर भागने का प्रयास करने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। कार की तलाशी के दौरान उसमें रखी 16 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम नीरज पुत्र ओमपाल, निवासी कोटी कॉलोनी, नई टिहरी बताया। पुलिस ने उसे आबकारी अधिनियम की धाराओं में गिरफ्तार कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

घास काटने गई महिलाओं पर भालू का हमला, एक की मौत एक घायल

हमारे संवाददाता

चमोली। घास लेने गई दो महिलाओँ पर आज सुबह भालू ने हमला कर दिया। इस घटना में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को श्रीनगर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

मामला पोखरी विकासखंड के नेल-सिदेली गांव का है। जानकारी के अनुसार सिदेली गांव की विमला देवी और लक्ष्मी देवी, आज सुबह गांव से कुछ दूरी पर स्थित बोगा जंगल में घास लेने गई थीं। सुबह करीब 8:30 बजे दोनों महिलाएं गांव के पास थीं, तभी भालू ने उन पर हमला कर दिया। हमले के दौरान एक महिला चट्टान से नीचे गिर गई। हादसे में 55 वर्षीय विमला देवी पत्नी चंद्रशेखर नेगी की मौत हो गई। वहीं, 42 वर्षीय लक्ष्मी देवी पत्नी गजेंद्र

नेगी गंभीर रूप से घायल हुई हैं। घटना के बाद घायल महिला को पोखरी अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए बेस अस्पताल श्रीनगर रेफर कर दिया। वहीं, मृतका के शव के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के लिए चिकित्सकों की टीम पोखरी पहुंच रही है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। तहसीलदार रामकिशोर ध्यानी और वन विभाग के दारोगा मोहन बर्त्वाल भी घटनास्थल पर मौजूद रहे। भालू के हमले के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से भालू की सक्रियता बनी हुई है, जिससे जंगल जाने वाली महिलाओं और ग्रामीणों की जान पर खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने वन विभाग से भालू के आतंक से निजात दिलाने, प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल गश्त बढ़ाने और लोगों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के 25 जवान ढेर

संवाददाता

इस्लामाबाद। अशांत बलूचिस्तान प्रांत में पाकिस्तानी फौज को अब तक का सबसे बड़ा झटका लगा है। गुरुवार को घात लगाकर बैठे बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने सेना के एक बड़े काफिले पर भीषण हमला बोल दिया। इस ताबड़तोड़ हमले में पाकिस्तानी सेना के 25 जवानों के मारे जाने का दावा किया गया है, जबकि दो सैन्य वाहन पूरी तरह खाक हो गए हैं। इस खूनी वारदात की पूरी जिम्मेदारी बीएलए ने लेते हुए घटनास्थल का सनसनीखेज वीडियो फुटेज भी सार्वजनिक कर दिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, बीएलए प्रवक्ता ने बताया कि उनके लड़ाकों ने जियारत क्रॉस के पास से गुजर रहे सैन्य काफिले को चारों तरफ से घेरकर निशाना बनाया। भारी हथियारों से लैस लड़ाकों ने सेना के वाहनों पर अंधाधुंध फायरिंग की और विस्फोटकों से हमला किया। हमले में सेना का एक भारी ट्रक और अन्य वाहन आग की लपटों में घिरकर पूरी तरह जल गए। संगठन ने शुरुआत में 18 सैनिकों के मारे जाने की बात कही थी, लेकिन बाद में पुष्टि करते हुए यह आंकड़ा 25 बताया।

इस दुस्साहसिक हमले के बाद बीएलए ने अपने आधिकारिक मीडिया चैनल हक्कल पर हमले से जुड़ा 1 मिनट 11 सेकंड का एक वीडियो ट्रेलर जारी कर दिया है। जारी फुटेज में हथियारबंद लड़ाके धू-धू कर जलती पाकिस्तानी सैन्य गाडियों के इर्द-गिर्द घूमते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में चारों ओर सैनिकों के शव बिखरे पड़े नजर आ रहे हैं और लड़ाके फौज के आधुनिक हथियारों और गोला-बारूद को अपने कब्जे में लेते दिख रहे हैं। संगठन ने चेतावनी दी है कि इस पूरे ऑपरेशन का विस्तृत वीडियो भी जल्द जारी किया जाएगा।

जियारत क्रॉस के अलावा बलूचिस्तान के सुराब स्थित हाजिका इलाके में भी एक और बड़ा हमला अंजाम दिया गया। बीएलए के मुताबिक, उनके स्पेशल टैक्टिकल ऑपरेशन्स स्क्वाड ने रिमोट कंट्रोल की मदद से विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी में जबर्दस्त धमाका कर सेना के एक अन्य वाहन को हवा में उड़ा दिया। इस दूसरे हमले में भी पाकिस्तानी सेना के सात जवान मौके पर ही मारे गए। बैक-टू-बैक हुए इन हमलों के बाद पूरे इलाके में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों में भारी हड़कंप मचा हुआ है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।